एक भाई की वासना -16

“जाहिरा के जिस्म से चिपकी हुई उसकी चमड़ी के रंग की लेग्गी ऐसी ही लग रही थी.. जैसे कि उसकी चमड़ी ही हो। फैजान ने अपना हाथ आहिस्ता आहिस्ता जाहिरा की जाँघों पर फिराना शुरू कर दिया और उसकी जाँघों को सहलाने लगा। …”

Story By: zooza ji (zoozaji)
Posted: Sunday, August 23rd, 2015
Categories: Sex Kahani
Online version: एक भाई की वासना -16

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

एक भाई की वासना -16

सम्पादक – जूजा जी
हजरात, आपने अभी तक पढ़ा..

जाहिरा की चूची दबाते-दबाते शायद फैजान ने जज्बाती होकर कुछ ज्यादा ही मसक दिया था.. जिसकी वजह से जाहिरा थोड़ा सा कसमासाई और फिर उसने मेरी तरफ करवट ले ली।
जैसे ही जाहिरा हिली तो फैजान ने फ़ौरन ही अपना हाथ पीछे खींच लिया और दूसरी तरफ मुँह कर करते हुए लेट गया।

तभी मैंने अपनी आँखें हल्की सी खोल कर देखा तो देखा कि जाहिरा ने आहिस्ता आहिस्ता अपनी आँखें पूरी खोल ली हैं और मेरी तरफ देख रही है।
फिर उसने थोड़ा सा ऊपर होकर अपने भाई की तरफ देखा और धीरे से मुस्करा कर फिर लेट गई। उसके चेहरे पर हल्की सी मुस्कान थी और आँखें खुली हुई थीं।
मैं दिल ही दिल मैं सोच रही थी कि क्या जाहिरा को भी पता था कि उसका भाई उसकी चूचियों को दबा रहा है।
अब आगे लुत्फ़ लें..

अगर ऐसा था तो उसने कोई ऐतराज़ क्यों नहीं किया और अगर उसने सब कुछ जानते हुए भी कोई ऐतराज़ नहीं किया तो फिर तो यह मेरी बहुत बड़ी कामयाबी थी कि मैं दोनों बहन-भाई को इतना क़रीब लाने में कामयाब हो गई थी और मैं अपनी इस कामयाबी पर दिल ही दिल में बहुत खुश हो रही थी।

अगली शाम जाहिरा ने मेरी कहने पर एक स्किन कलर की टाइट्स और टी-शर्ट पहन ले.

टी-शर्ट उसके चूतड़ों को आधा ढांप रही थी लेकिन उसकी जाँघों की पूरी पूरी शेप और टाँगें उस टाइट्स में बिल्कुल साफ़ दिख रही थीं।
जाहिरा बहुत ही सेक्सी लग रही थी.. जैसे ही फैजान ने उसे देखा तो उसकी चेहरे पर मुस्कराहट फैल गई।

जाहिरा की नज़रें उससे टकराईं तो जाहिरा ने शर्मा कर अपना सिर झुका लिया। मैं देख रही थी कि जिधर-जिधर भी जाहिरा जा रही थी.. फैजान की नजरें उसी के जिस्म पर रह रही थीं। ऊपर टाइट टी-शर्ट में उसकी चूचियाँ बिल्कुल फंसी हुई थीं और उसका गला भी थोड़ा डीप था.. जिसकी वजह से उसका खूबसूरत गोरा-चिकना सीना भी काफ़ी खुला सा नज़र आ रहा था। लेकिन चूचियाँ या क्लीवेज तो नहीं दिख सकता था। सोने के वक़्त तक भी जाहिरा अपने जिस्म की जलवे बिखेरती रही और अपने भाई पर अपनी हुस्न की बिजलियाँ गिराती रही।

रोज़ की तरह आज भी सोने के लिए मैं और फैजान पहले ही कमरे में आ गए।
अब जो आग जाहिरा ने अपने भाई के जिस्म और दिमाग में लगाई थी.. उसकी वजह से फैजान ने अन्दर आते ही मुझे खींचा और अपने सीने से लगा लिया।

मैंने भी कोई मज़ाहमत नहीं की और उसे और भी गर्म करने के लिए उससे लिपट गई और उसके बोसे का जवाब बोसे से देने लगी।
नीचे मैंने उसके बरमूडा में हाथ डाला और उसका लंड पकड़ लिया.. जो धीरे-धीरे मेरे हाथ में फूलने लगा। मैं भी उसके लण्ड को अपने हाथ में दबाते हुए आगे-पीछे करते हुए और भी खड़ा करने लगी।

फैजान बोला- जान जल्दी से एक बार चोद लेने दो ना..
मैंने कहा- नहीं… अभी नहीं.. तुम्हारी बहन ने आ जाना है।
फैजान बोला- नहीं.. तुम थोड़ी देर के लिए सिटकनी लगा कर आओ।

मैंने उसके लण्ड को सहलाते हुए कहा- नहीं.. जब वो सो जाएगी.. तो तुम खामोशी से जो भी करना चाहो.. मेरे पीछे लेटे-लेटे कर लेना।
आख़िर में फैजान मान गया।

तभी दरवाज़ा खुला और जाहिरा अन्दर आई.. तो उसे देख कर हम दोनों अलग हो गए।
जैसे ही जाहिरा बिस्तर के क़रीब आई.. तो मैं फ़ौरन ही उसकी जगह पर होकर लेट गई और बोली- जाहिरा आज तुम दरम्यान में सोओगी।

जाहिरा चौंकी और हैरान होकर बोली- लेकिन क्यों भाभी ?
फैजान भी हैरत से मेरी तरफ देख रहा था।
मैं मुस्कुराई और हँसते हुए बोली- तुम्हारे भैया.. मुझे बहुत तंग करते हैं.. इसलिए आज मैं इस तरफ सोऊँगी और तुमको दरम्यान में सोना पड़ेगा।

जाहिरा का चेहरा सुर्ख हो गया.. लेकिन मैंने उसका हाथ पकड़ कर उसे घसीटा और उसे अपने और फैजान के दरम्यान अपनी वाली जगह पर लिटा दिया।
जाहिरा के चेहरे पर ऊहापोह और घबराहट के साथ शरम के आसार साफ़ नज़र आ रहे थे.. और वो मेरी तरफ देख रही थी।
मैं मुस्करा कर बोली- थैंक्यू माय डियर ननद..

मैंने महसूस किया था कि फैजान के चेहरे पर पहले वाली मायूसी के बाद अब थोड़ी उत्तेजना आ गई थी।
आज इस नई स्थितियों की वजह से हम में से कोई भी बोल नहीं रहा था।

मैंने ही थोड़ी सी बातें कीं और उन दोनों ने ‘हूँ.. हाँ..’ में जवाब दिया।
फिर मैंने अपनी आँखें बंद कर लीं।

हमारा बिस्तर इतना बड़ा नहीं था कि हम सब लोग एक-दूसरे से दूर-दूर होकर सो सकें.. इसलिए जाहिरा का जिस्म अपने भाई के जिस्म से टच कर रहा था।
मेरी देखते ही देखते जाहिरा ने भी आँखें बंद कर लीं और शायद इस सारी सूरते-हाल को हज़म करने की कोशिश करते हुए सोने लगी।

लेकिन उसके जिस्म से टच होता हुआ उसके भाई का जिस्म भी उसे शायद बेचैन कर रहा था।

ज़ाहिर है कि मैं सो नहीं रही थी और फैजान के हरकत में आने का इन्तजार कर रही थी।
कुछ ही देर गुज़री कि वो ही हुआ जिसका मुझे इन्तजार था।
फैजान ने अपनी बहन की तरफ करवट ली और आहिस्ता से अपना हाथ उठा कर जाहिरा के पेट पर रख दिया।

मेरी नज़र फ़ौरन ही जाहिरा के चेहरे की तरफ गई। मैंने महसूस किया कि उसके चेहरे के हाव-भाव एकदम से थोड़े से चेंज हो गए.. लेकिन फ़ौरन ही उसने दोबारा से अपनी चेहरे को सपाट कर लिया। अब वो खुद को संम्भालते हुए दोबारा से आँखें बंद करके पड़ी रही।

मेरे जिस्म के पास पड़े हुए उसके हाथ में मुझे थोड़ी सी हरकत सी भी फील हुई थी.. जैसे की एकदम किसी के छूने से वो उसका जिस्म काँप उठा हो।
मैं दिल ही दिल में मुस्करा उठी।

फैजान का हाथ कुछ देर के लिए एक ही जगह पर जाहिरा के पेट के ऊपर पड़ा रहा। फिर आहिस्ता आहिस्ता उसका हाथ हिलने लगा और उसने अपने हाथ को अपनी बहन के पेट के ऊपर हौले-हौले हरकत देते हुए उसके पेट को उसकी शर्ट के ऊपर से सहलाना शुरू कर दिया।

फैजान का हाथ आहिस्ता आहिस्ता अपनी बहन के पेट पर हरकत कर रहा था और उसके चेहरे के हाव-भाव बदल रहे थे.. लेकिन उसकी आँखें अभी भी बंद थीं।

पेट पर हाथ फेरने की बाद फैजान ने अपना हाथ थोड़ा सा नीचे लिए जाते हुए जाहिरा की जांघ पर रख दिया। जाहिरा की जाँघें उसकी चुस्त लैगी में फंसी हुई थीं।
यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं !

जाहिरा के जिस्म से चिपकी हुई उसकी चमड़ी के रंग की लेग्गी ऐसी ही लग रही थी.. जैसे कि उसकी चमड़ी ही हो। फैजान ने अपना हाथ आहिस्ता आहिस्ता जाहिरा की जाँघों पर फिराना शुरू कर दिया और उसकी जाँघों को सहलाने लगा।
फैजान का हाथ नीचे उसके घुटनों तक जाता और फिर ऊपर को आ जाता। उसे अपनी बहन की जाँघों पर हाथ फेरने में शायद बहुत ही अच्छा लग रहा था।

मैंने भी महसूस किया कि वो थोड़ा सा ऊपर को उठा और उसने बहुत ही आहिस्ता से जाहिरा के गाल की तरफ अपनी मुँह कर बढ़ाया और उसके गोरे-गोरे गाल को चूम लिया।

आप सब इस कहानी के बारे में अपने ख्यालात इस कहानी के सम्पादक की ईमेल तक भेज सकते हैं।
अभी वाकिया बदस्तूर है।
avzooza@gmail.com

Other stories you may be interested in

गर्लफ्रेंड की कुंवारी चुत चुदाई का मजा- 2

लवर हॉट सेक्स स्टोरी में पढ़ें कि कैसे मैं अपने जन्मदिन पर अपनी प्रेमिका को होटल रूम में ले गया. वहां हम दोनों ने अपना पहला सेक्स कैसे किया ? हैलो फ्रेंड्स, मैं निलेश इंदौर से फिर से एक बार अपनी […]
Full Story >>>

गर्लफ्रेंड की कुंवारी चुत चुदाई का मजा- 1

देसी लवर सेक्स कहानी में पढ़ें कि मुझे अपनी क्लास की एक लड़की पसंद आ गयी, उससे दोस्ती हो गयी. बात आगे कैसे बढ़ी ? मैंने कैसे उसे प्रोपोज़ किया ? दोस्तो, मेरा नाम निलेश है, मैं इंदौर से हूँ. ये देसी […]
Full Story >>>

कोविड वार्ड में चुत चुदाई का मजा- 1

कोरोना संक्रमण के कारण मैं अस्पताल गया. मैं बेड पर लेटा साले की बेटियों की चुदाई याद करके सोच रहा था कि यहाँ कोई चूत मिल जाए तो मजा आ जाए. दोस्तो, मैं चन्दन सिंह … आपने मेरी पिछली सेक्स […]
Full Story >>>

स्टूडेंट की बहन की सीलपैक चुत की अगन- 2

सील चुत की कहानी में पढ़ें कि कैसे मुझे एक कुंवारी लड़की की चुदाई करने का मौक़ा मिला. वो लड़की खुद ही अपनी पहली चुदाई का मजा लेने के लिए तड़प रही थी. दोस्तो, मैं राहुल आपको एक ऐसी सेक्स […]
Full Story >>>

सेक्सी हॉट माल दिखने के चक्कर में चुत चुदवा ली- 3

कॉलेज गर्ल को डॉक्टर ने चोदा. कैसे ? मैं अपनी चूचियां बड़ी करवाने डॉक्टर के पास गयी तो उसने मेरे जिस्म से खेल कर मेरी वासना जगाई और मेरी बुर खोल दी. हैलो फ्रेंड्स, मैं शरद … मैंने आपको इस कहानी […]
Full Story >>>